Anta an Usique The Gazette of India

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II--Section 3--Sub-section (ii) माधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 378]

नई विल्ली, सोमबार, सितम्बर 22, 1975/भाष्ट 31, 1897

No. 378]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 22, 1975/BHADRA 31, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संबया दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के क्य में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Textile Commissioner)

ORDERS

Bombay, the 22nd September 1975

S.O. 530(E).—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (1) of clause 30 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that the following further amendment shall be made to the Textile Commissioner's Order No. CLBI/1/1-I/72, dated the 24th October, 1972, namely:—

- In the said Notification in paragraph I for the words and mark who produces controlled cloth, shall sell or deliver any such controlled cloth produced by him, except to such person or persons and subject to such conditions as the Textile Commissioner may hereafter specify" the words and mark "who produces controlled cloth shall, unless otherwise permitted by the Textile Commissioner, sell or deliver any such controlled cloth produced by him except to such person or persons and subject to such conditions as the Textile Commissioner may hereafter specify" shall be substituted.
- 2. In paragraph 2 for item 5 the following shall be substituted, namely:-
 - "5. Any other agency in the co-operative sector specified by the State Government concerned and any agency as may be specified by the Textile Commissioner from time to time".

[No. CLBI/1/1-I/75]

बाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र ग्रायुक्त कायलिय)

त्रादेश

बम्बई, 22 सितम्बर, 1975

का० ग्रा० 530 (ग्र).—सूती वस्त्र (नियंत्रण) ग्रादेश, 1948 के खंड 30 के उपखंड (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा निदेश देता हूं कि वस्त्र ग्रायुक्त के श्रादेश सं० सी० एल० बी० I/1/1-I/72 दिनांक 24 श्रक्तूबर, 1972 में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संशोधन किए आएंगे, श्रथात्:—

उक्त श्रिधिसूचना के पैराग्राफ 1 में "जो नियंत्रित वस्त्र उत्पादन करता है उसके द्वारा उत्पादित नियंत्रित वस्त्र को केवल ऐसे लोग/लोगों को ही, वस्त्र श्रायुक्त द्वारा आगे दी गई शर्तों पर ही, बेचेगा या डिलीवरी करेगा।" इन शब्दों श्रीर चिह्नों के स्थान पर ''जो नियंत्रित वस्त्र उत्पादन करता है, उसके द्वारा उत्पादित नियंत्रित वस्त्र को केवल ऐसे लोग/लोगों को ही, उन मामलों को छोड़कर जहां वस्त्र श्रायुक्त की श्रन्यथा अनुमति है, वस्त्र श्रायुक्त द्वारा श्रागे दी गई शर्तों पर बेचेगा या वितरित करेगा।" ये शब्द श्रीर चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

- 2. पराग्राफ 2 की मद 5 के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित की जाएगी, ग्रर्थात् :---
 - "5. सहकारी क्षेत्र के श्रंतर्गत अन्य कोई एजेन्सी जो संबंधित राज्य सरकार निर्दिष्ट करे और अन्य एजेंसी जो वस्त्र श्रायुक्त द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट की जाये।"

[सं॰ सी॰ एल॰ बी॰ I/1/1–एक/75]

- S.O. 531(E).—In exercise of the powers conferred on me by item (b) of sub-clause (1) of clause 30 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that no wholesale dealer in controlled cloth, unless otherwise permitted by the Textile Commissioner shall sell or deliver any controlled cloth except to such person or persons and subject to such conditions as the Textile Commission may hereafter specify.
- 2. Further in exercise of the powers conferred on me by item (a) of sub-clause (1) of clause 30 of the said order, I hereby direct that every wholesale dealer in controlled cloth shall sell or deliver controlled cloth only to retail dealers registered or approved by the State Government.
- 3. Further in exercise of the powers conferred on me by clause 31 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that every wholesale dealer shall, immediately on receipt of consignment of controlled cloth from the mills, intimate to the Textile Commissioner, the State Government and District Civil Supply Authorities respectively, within whose jurisdiction the said wholesale dealer is carrying on business, details of receipt of such cloth in the manner indicated below:

Place.
Date.

Signature of the Wholesale dealer."

Explanation:

For the purpose of this order,-

- (1) 'controlled cloth' means and includes 'controlled dhoti', 'controlled saree', 'controlled long cloth', 'controlled shirting' and 'controlled drill' as defined in the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968.
- (2) Wholesale dealer means a dealer who purchases cloth directly from the mills and who is approved as a wholesale dealer by the State Government in whose jurisdiction he sells the controlled cloth and also by the Textile Commissioner.
- (3) Retail dealer means a dealer who sells cloth directly to the consumer and who is registered or approved as a retail dealer in the State in whose jurisdiction he sells controlled cloth.

[No. CLB]/1/1-I/75A]
G. S. BHARGAVA,

Joint Textile Commissioner.

का० आ१० 531 (अ).—सूती वस्त्र (नियंत्रण) ग्रादेश, 1948 के खंड 30 के उपखंड (1) की मद (बी) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूं कि नियंत्रित वस्त्र का कोई भी थोक व्यापारी (होलसेलर), वस्त्र श्रायुक्त द्वारा ग्रन्थथा श्रनुमित दिए जाने की दशा को छोड़ कर, नियंत्रित वस्त्र केवल ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को ही ग्रांग वस्त्र श्रायुक्त द्वारा निर्विष्ट शतौं पर ही बेच सकेगा या वितरण कर सकेगा।

- 2. भीर उक्त आदेश के खंड 30 के उपखंड (1) की मद (ए) में प्रक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा निदेश देता हूं कि नियंत्रित बस्त का प्रत्येक थोक व्यापारी केवल राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत या स्वीकृत खुदरा व्यापारी (रीटेल डीलर) को ही नियंत्रित बस्त बेच मकेगा या वितरण कर सकेगा।
- 3. श्रीर सूती वस्त्र (नियंत्रण) श्रादेण, 1948 के खंड 31 में श्रदत्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा निदेश देता हूं कि प्रत्येक थोक व्यापारी मिल से नियंत्रित वस्त्र का पोषण प्राप्त होते हो ऐसे वस्त्र का विवरण निम्निक्षित रूप में तुरंत ही क्रमशः यस्त्र श्रायुक्त, राज्य भरकार, जिला रसद श्रिष्ठकारियों को जिनके श्रिष्ठकार क्षेत्र में उक्त थोक व्यापारी व्यापार करता हो, सूचित करेगा।

 "......(मिल का नाम लिखें) द्वारा उनके ट्रांसपोर्ट चालान

स्थान

थाक व्यापारी के हस्ताक्षर"

दिनांक

स्पट्टोकरण.--इस आदेश के निमित्त--

. , को प्राप्त हुई ।

(1) 'नियंत्रित वस्त्र' सेंग्रुँतात्पर्ये 'नियंत्रित घोती', 'नियंत्रित साड़ी', 'नियंत्रित लांग क्लाथ', 'नियंत्रित शटिंग', भ्रौर 'नियंत्रित ष्ट्रिल' से हैं जिनकी परिभाषाएं वस्त्र श्रायुवत की अधिसूना सं० सी० ई० श्रार्०/1/68 दिनांक 2 मई, 1968 में दी गई हैं।

- (2) थोक व्यापारी से तात्पर्य वह व्यापारी है जो मिल से सीधा कपड़ा खरीदता हो श्रीर जो राज्य सरकार द्वारा, जिसके श्रधिकार क्षेत्र में वह नियंतित वस्त्र बेचता हो, श्रीर वस्त्र श्रायुक्त द्वारा भी, स्वीकृति थोक व्यापारी के रूप में मान्य हो।
- (3) खुदरा व्यापारी से तात्पर्य वह व्यापारी है जो सीधा उपभोक्ताओं को वस्त्र बेचता हो श्रीर जो राज्य सरकार द्वारा, जिनके श्रधिकार क्षेत्र में वह नियंत्रित वस्त्र बेचता हो खुदरा व्यापारी के रूप में पंजीकृत या स्वीकृत हो।

[सं० सी० एल० बी० I/1/1-एक/75-क] गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र ग्रामुक्त ।